1. सिरचन को पान का बीड़ा किसने दिया?(2015,2017)

उत्तर- सिरचन को पान का बीड़ा मानू दीदी ने दिया था। मँझली भाभी के कटुवचन के कारण सिरचन को ठेस लगती है। इसी चोट को कम करने के लिए मानू दीदी पान का बीड़ा देते हुए बोली काम-काज का घर है, पाँच तरह के लोग पाँच किस्म की बात करेंगे। तुम किसी के बात पर ध्यान मत दो।

2. रेलगाड़ी पर बैठी मानू को सिरचन ने अपनी ओर से कौन से सौगात दिये ? (2014,2016)

उत्तर- रेलगाड़ी के खिड़की के पास अपने पीठ पर लदे हुए बोझ को उतारते हुए, मानू दीदी से कहता है यह मेरी ओर से है। इसमें सब चीज है दीदी। शीतलपाटी, चिक और एक जोड़ी आसानी कुश की।

3. ईर्ष्यालु से बचने का क्या उपाय है? (2014, 2015, 2017,2019)

उत्तर- ईर्ष्यालु मनुष्य आदत से लाचार होते हैं। उन्हें अपने उपवन में आनंद नहीं मिलता, वे दूसरों के सुख से दुखी रहते हैं। वे अपनी उन्नति के लिए उद्यम करना छोड़कर वह दूसरों को हानि पहुँचाने को ही अपना श्रेष्ठ कर्तव्य समझने लगता है। इसलिए ऐसे व्यक्ति से दूर रहना चाहिए।

4. वकील साहब सुखी क्यों नहीं हैं? (2016, 2022)

उत्तर- वकील साहब को भगवान का दिया हुआ सब कुछ है। खाने-पीने से अच्छे हैं। बाल-बच्चों से भरा-पूरा परिवार, पत्नी भी अत्यंत मृदुभाषिणी। मगर, वे सुखी नहीं हैं। अपने पड़ोसी बीमा एजेंट के विभव की वृद्धि से उनका कलेजा जलता रहता है।

5. किन परिस्थतियों में खेमा के पिता ने उसे बेच दिया था? (2017)

उत्तर- 3. खेमा के पिता की आर्थिक स्थिति दयनीय थी। इसलिए वे अपने बच्चों के भरण-पोषण करने में असमर्थ थे। अतः अपने अन्य बेटों की तरह खेमा को भरण-पोषण के दायित्व से मुक्त होने के लिए बेच दिया था।

A Online Solution

6. खेमा द्वारा चप्पल की माँग करने पर कसारा ने बेरूखी क्यों दिखाई? (2021)

उत्तर- खेमा द्वारा चप्पल की माँग करने पर कसारा बेरूखी दिखाता है क्योंकि चप्पल खरीदने की बात पर गुस्सा आ जाता है। कसारा खेमा को अपने चाय दुकान पर काम करने के लिए खरीदा था इसलिए कसारा खेमा के ऊप खर्च नहीं करना चाहता है।

7. कर्पूरी ठाकुर को कब गिरफ्तार किया गया? (2021)

उत्तर- कर्पूरी ठाकुर लोकनायक जयप्रकाश नारायण द्वारा गठित 'आजाद दस्ता' के सक्रिय सदय थे। आजाद दस्ता के सदस्य के रूप में जो भी जिम्मेदारी मिलती उसे बखूबी निभाते। इसलिए 23 अक्टूबर, 1943 ई० को रात्रि लगभग दो बजे गिरफ्तार कर दरभंगा जेल में डाल दिया गया था।

8. लेखक को बीमार पड़ने की इच्छा क्यों हुई? (2020)

उत्तर- लेखक पैंतीस वर्ष का हट्टा-कट्ठा आदमी है। आजतक वह कभी बीमार नहीं पड़ा। लोगों को बीमार देखकर लेखक को बीमार पड़ने की इच्छा होती है। लेखक की यह भी इच्छा रहती है कि बीमार पड़ने पर पत्नी उनकी खूब सेवा करेगी और हंटले बिस्कुट खाने को मिलेगा। साथ ही दोस्त लोग आकर मेरे सामने बैठेंगे और गम्भीर मुद्रा में मेरा हाल चाल पूछेंगे।

9. दुर्जन का साथ किस प्रकार हानिकारक है? (2019)

उत्तर- अच्छे लोगों के संगति में यदि दुर्जन आते भी हैं तो उनके स्वभाव में परिवर्तन नहीं होता है। ऐसे लोगों को सुधारना मुश्किल होता है, चाहे हम कितना ही प्रयास न कर लें। जैसे हींग को कपुर में रख देने के बाद भी हींग में कर्पूर का सुगंध नहीं आता। इसलिए दुर्जन का साथ हानिकारक होता है|

10. अपने देश की उन्नति के लिए आप क्या-क्या कीजिएगा? (2015)

उत्तर- अपने देश की उन्नति के लिए हम विघ्न-बाधाओं से घबराएँगे नहीं बल्कि असंभव से असंभव कार्य को पूरा करेंगे। पर्वतों को काटकर सड़के बनाएँगे, मरुभूमियों में नदियों का निर्माण करेंगे, सागर की अतल गहराइयों में जहाज चलायेंगे, जंगलों में महामंगल मनाएँगे। हम अपने देश की उन्नति और नवनिर्माण के लिए उत्साह और पुरुषार्थ का परिचय देंगे।

A A Online Solution

11. 'बच्चे की दुआ' शीर्षक कविता के रचयिता कौन हैं?
यह किस प्रकार की कविता है? (2022)

उत्तर- 'बच्चे की दुआ' शीर्षक कविता के रचयिता 'मो० इकबाल' हैं। यह एक प्रार्थना गीत है, इसमें दर्दमंद और वंचितों की हिफाजत का संकल्प है तथा खुद को बुराई से बचाकर नेक राह पर चलने की दुआ माँगी गयी है।

12. वन्य प्रान्त के सौन्दर्य का वर्णन कीजिए। (2015,2014)

उत्तर- वन्य प्रान्त का सौंदर्य दर्शनीय होता है। विविध प्रकार के पेड़, लताएँ, झरना, झील और नदियों से बना प्रांत की शोभा मनोरम होती है। चिड़ियों का कलरव, मोर का नाचना, हंस की क्रीड़ा ये सभी जंगल की शोभा को बढ़ाते रहते हैं।

13. 'खुशबू रचते हैं हाथ' से क्या तात्पर्य है?
(2021,2020,2019)

उत्तर- 'खुशबू रचते हैं हाथ' से तात्पर्य है खुबसूरत और खुशबूदार अगरबत्तियाँ बनाने वाले दलित मजदूर से। वे अपने वचित हाथों से सृष्टि का श्रृंगार करते हैं लेकिन खुद बदबूदार जगहों पर रहते हैं। खुशबू रचने वाले हाथ दूसरों के लिए स्वच्छ और सुगंधित वातावरण का निर्माण करते हैं पर अपना जिंदगी नरक में बिताते हैं। कवि खुशबू रचने वाले हाथों की दुर्दशा का मार्मिक चित्रण करते हैं।

14. सुदामा चरित' शीर्षक कविता के रचनाकार कौन हैं?
इस कविता में किनका वर्णन है? (2022)

उत्तर- 'सुदामा चरित' शीर्षक कविता के रचनाकार 'नरोत्तमदास' हैं। इस कविता में सुदामा की दीन-दशा, कृष्ण की उदारता, मित्र भाव एवं सखा-प्रेम का वर्णन है।

A Online Solution